No. of Printed Pages : 5 **BHDE–101/EHD-1**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिंदी)

बी.एच.डी.ई.-101/ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) पहला प्रश्न अनिवार्य है।

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) बाबा अब तो तुम लोगों की सैल्फ गवर्नमेंट है। अब कौन हमको पूछता है, जो जिसके जी में आता है करता है। अब चाहे वेद क्या संस्कृत का अक्षर भी स्वप्न में

भी न देखा हो पर धर्म विषय पर वाद करने लगते हैं। हम तो केवल अदालत या व्यवहार या स्त्रियों के शपथ खाने को ही बुलाए जाते हैं। किसी को हमारा डर है ? कोई भी हमारा सच्चा लायक है ?

(ख) और अचानक उन्होंने निश्चय कर लिया कि अब घर की किसी बात में दखल न देंगे। यदि गृह-स्वामी के लिए पूरे घर में एक चारपाई की जगह यहीं है, तो यहीं पड़े रहेंगे। अगर कहीं और डाल दी गई, तो वहाँ चले जाएँगे। यदि बच्चों के जीवन में उनके लिए कहीं स्थान नहीं, तो अपने ही घर में परदेशी की तरह पड़े रहेंगे .... और उस दिन के बाद सचमुच गजानन बाबू कुछ नहीं बोले। नरेन्द्र माँगने आया तो बिना कारण पूछे उसे रुपए दे दिए—बसन्ती काफी अंधेरा हो जाने के बाद भी पड़ोस में रही उन्होंने कुछ नहीं कहा—पर उन्हें सबसे बड़ा गम यह था कि उनकी पत्नी ने भी उनमें कुछ परिवर्तन लक्ष्य नहीं किया।

(ग) अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी। ..... ये जो महाशय मेरे खरीददार बनकर आए हैं इनसे पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता ? क्या उनके चोट नहीं लगती ? क्या वे बेबस भेड़-बकरियाँ हैं जिन्हें कसाई अच्छी तरह देखभाल कर खरीदते हैं।

(घ) राजनीति ? राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक सम्बन्ध है। राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझने की भूल कर सकते हो। परन्तु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है।

(ङ) कालिदास ने कहा था कि सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नए खराब नहीं होते। भले लोग दोनों की जाँच कर लेते हैं, जो हितकर होता है उसे ग्रहण करते हैं, और मूढ़

लोग दूसरे के इशारे पर भटकते रहते हैं, सो हमें परीक्षा करके हितकर बात सोच लेनी होगी और अगर हमारे पूर्व संचित भण्डार में वह हितकर वस्तु निकल आवे, तो इससे बढ़कर और क्या हो सकता है।

2. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक पर विचार करते हुए प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 16

3. चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'निर्मला' उपन्यास की विशेषताएँ बताइए। 16

4. दृश्य-श्रव्य माध्यम से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 16

5. हिन्दी कहानी के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 16

6. नुक्कड़ नाटक के रूप में 'सबसे सस्ता गोश्त' का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. 'ध्रुवस्वामिनी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

8. व्यंग्यात्मक निबन्ध की दृष्टि से 'पगडंडियों का जमाना' की समीक्षा कीजिए। 16

9. 'शरणदाता' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : $2\times8=16$

(क) एकांकी नाटक

(ख) यात्रावृत्तांत

(ग) पटकथा

(घ) 'भैया एक्सप्रेस' का कथ्य

× × × × ×